F-5
D.El.Ed-1st year

इकाई-III

Date:-04.05.20

Topic:- बच्चों की भाषा सीखने की क्षमता और भाषायी ज्ञान की समझ:-

अब कुछ संवादों का विश्लेषण करते हुए बच्चों की भाषायी क्षमता और उनके भाषायी ज्ञान को समझने का प्रयास करते है।

पहले वाक्य मे नौशाद (पुल्लिंग) के लिए 'जारऽ' का प्रयोग किया गया है जबकि रुखसाना (स्त्रीलिंग) के लिए 'जारु' का प्रयोग किया गया है। यह भाषा-प्रयोग बच्चों की इस योग्यता की ओर संकेत करता है कि वह लिंग के अनुसार क्रिया के सही रूप का प्रयोग कर सकता है।

अब उसी बातचीत को हिन्दी भाषा मे पढ़ते है -

रुखसाना - कहाँ जा रहे हो नौशाद?

नौशाद - सब्जी खरीदने। तुम कहाँ जा रही हो?

रुखसाना - घर जा रही हूँ। तुम्हारे घर के लोगों का क्या हाल-चाल है?

नौशाद - सभी लोग ठीक है। तुमने जो झोला लिया है वह गाढ़ा काला है। कहाँ से खरीदा है?

रुखसाना - परदेस से भैया ने भेजा है। आज स्कूल जाओगे मेरी क्लास के सभी लड़के-लड़कियां जाएँगी।

नौशाद - नहीं, कल गए तो मास्टर साहब से छुट्टी माँग ली थी। आज नहीं जाएँगे।

इस उदाहरण से भी बच्चों की भाषायी क्षमता दिखाई देती है। बच्चे वचन और लिंग के अनुरुप क्रिया शब्दों का प्रयोग करने की क्षमता रखते है, जैसे -

"कहाँ जा रहे हो नौशाद"? (एकवचन पुल्लिंग)

"तुम कहाँ जा रही हो?" (एकवचन स्त्रीलिंग)

हलाँकि 'रहे' क्रिया का प्रयोग बहुवचन अथवा आदरसूचक स्थिति (पुल्लिंग) के लिए भी हो सकता है।

"वे सभी लड़कियाँ जा रही है।" (बहुवचन स्त्रीलिंग)

"आप जा रही है क्या?" (आदरसूचक स्त्रीलिंग)

आपने बच्चों की बातचीत से ध्यान दिया होगा कि वे संदर्भ के अनुरुप सर्वनाम शब्दों का भी प्रयोग करते है जैसे -

तुम्हारे घर के लोगों का क्या हाल-चाल है?

तुमने जो झोला लिया है वह गाढ़ा-काला है।

सर्वनाम की जटिल व्यवस्था को बच्चे स्वाभाविक रूप से आत्मसात कर लेते है। मध्यम पुरुष सर्वनाम (तुम) के विभिन्न रूपों - तू, तुम, तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे, तुमने, तुमसे, तेरा, तेरी आदि मे से किस स्थिति मे कौन सा रूप प्रयोग मे लाया जायेगा - यह बच्चे बखूबी जानते है।

P.T.O

Scanned with CamScanner